31 July 2019
Wednesday Wk 31 • 212-153

	M	T	W	T	F	S	S
JUL '19	1	2	3	4	5	6	7
	8	9	10	11	12	13	14
	15	16	17	18	19	20	21
	22	23	24	25	26	27	28
	29	30	31				

लैंगिक भूमिका का प्रतिनिधित्व
Representation of Gender Roles

लिंग के आधार पर ही gender का निर्माण होता है। समाज में तीन प्रकार के gender पाये जाते हैं, जिनमें ये प्रमुख सामाजिक संरचना के अंग माने जाते हैं —

① पुरुष लिंग (Male Gender) ⇒

भारतीय शैक्षिक व्यवस्था में पुरुष लिंग का विशेष महत्व माना जाता है। पुरुष कर्ता के रूप में सामाजिक व्यवस्था का एक प्रमुख अंग माना जाता है तथा उसे एक आर्थिक शक्ति के रूप में सामाजिक व्यवस्था का एक प्रमुख अंग माना जाता है। पुरुष को परिवार में सबसे उच्च स्थिति दी जाती है, उसे घर का मुखिया माना जाता है। तथा परिवार के सभी कार्य (महत्वपूर्ण कार्यों) को करने में अनुमति ली जाती है। वह एक पिता के रूप में बच्चों पर आधिपत्य रखता है। उनकी शिक्षा-दीक्षा से लेकर वैवाहिक सम्बन्धों तक पर नियंत्रण रखता है। एक पति के रूप में वह पत्नी को अपने अधीन रखता है तथा पुत्र के रूप में अपने माता-पिता

Important Calls ✓	Things to Do ✓	Meetings ✓
☐	☐	☐
☐	☐	☐
☐	☐	☐

की सेवा के साथ-साथ सभी महत्वपूर्ण निर्णयों पर नियंत्रण रखता है। एवम् भागीदारी निभाता है। हमारे देश में पितृसत्ता होने के कारण पुरुष घर का सर्वेसर्वा माना जाता है तथा परिवार एवं समाज में उसकी प्रथम स्थिति मानी जाती है।

② स्त्री लिंग (Female-Gender) ⇒

स्त्री Gender को आर्थिक रूप से असहाय और निर्बल तथा कमजोर माना जाता है। यह सत्य भी है कि स्त्रीयों के पास न तो पूर्ण व्यावसायिक प्रशिक्षण है और न ही अवसर। महिलायें सर्वाधिक शोषण की शिकार होती हैं और सर्वाधिक खरीद-फरोख्त एवं अनैतिक कार्यों में जबरन डालना, जैसे आपराधिक मामले स्त्रियों के साथ अधिक होते हैं।

एक बेटी के रूप में भी दहेज के कारण उसकी कामना नहीं की जाती है। भ्रूण हत्याओं के कारण कुछ राज्य में तो महिलायें वह वर्ग है जो समाज के हाशिये पर खड़ा है तथा लिंग असमानता का शिकार है।

परिवार में महिला की भूमिका एक आदर्शवादी वह जो दूसरों के लिए सदैव त्याग करने के रूप में होती है।

Important Calls ✓ | Things to Do ✓ | Meetings ✓

पत्नी के रूप में वह सहयोगी के रूप में होती है तथा बेटी के रूप में परिवार को संभालकर रखने वाली होती है। सम्मान के लिए इनकी हत्याये, बलात्कार कि शिकार महिला को समाज दोषी मानता एवं गलत निगाह (दोषी) से देखता है।

परिवार समाज में महिला भूमिका छोटी मानी जाती जिसमें कोई गलत कार्य होने पर महिला को ही दोषी माना जाता है। परिवार का सम्मान का पात्र पुरुष को माना जाता है।

लिंग असमानता एवं पाठ्य-पुस्तक
Gender Inequalities and Text-Books

सम्पूर्ण पाठ्य-क्रम में लिंग संबंधी पाठ्य-वस्तु को सम्मिलित किया जाना चाहिए। पाठ्य-पुस्तकों में से लिंग सम्बन्धी भेद-भाव के अभाव को हटाने में तेजी आनी चाहिए। क्योंकि वर्तमान समय की पाठ्य-पुस्तकों में भी Gender असमानता एवं लिंग-भेद परिलक्षित होता है।

समीक्षा-समिति ने N.C.E.R.T की पुस्तकों का सर्वेक्षण कराया जिससे यह ज्ञात होता है कि पाठ्य-पुस्तकों में स्पष्ट रूप से लिंग सम्बन्धी पूर्वाग्रह हैं।

Important Calls ✓ | Things to Do ✓ | Meetings ✓

9.00 इन पुस्तकों में महिला पात्रों को
10.00 परंतु निष्क्रिय, कमजोर, असहाय और
11.00 उदासीन दिखाया जाता है। और पुरुषों
12.00 को शक्तिशाली, अधिकारवादी तथा
1.00 प्रतिष्ठा की स्थिति में दिखाया जाता
2.00 है।

"पाठ्य-पुस्तकों" की असमानता पर आधारित करके लेखन कार्य करना आज समय की माग है। महिलाओं की समानता से सम्बन्धित कोर पाठ्यक्रम के घटक तैयार कराये जाये और इनका दायित्व राष्ट्रीय-शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् के महिला सेल को दिया जाय।

3.00 ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में महिलाओं का वर्णन
4.00 किया जाय। पाठ्यक्रम एवं पुस्तकों के माध्यम से जेन्डर समानता के नये मूल्य विकसित किये जाये।

5.00 "यदि महिला एवं पुरुष एक गाड़ी के दो पहिये है तो दोनों को शक्ति एवं
04 Sunday समझदारी तथा सम्मान रूप से मजबूत होना चाहिए।

परिवार का निर्माण स्नेह, सहयोग एवं प्रेम एवं सम्मान से होता है इस बात को दोनों लिंगों को समझना चाहिए। समानता के व्यवहार से ही आपसी समझ विकसित होती है। एक शासक के रूप में नहीं बल्कि एक मित्र के रूप में दोनों व्यक्तियों को मिलकर परिवार का निर्माण करना है, जहाँ धन, दहेज तथा दूसरे को तुच्छ समझने की भावनाओं का कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

Important Calls | Things to Do | Meetings